संगीतकारों/नर्तकों/कलाकारों और सर्जनात्मक लेखकों को वित्तीय सहायता हेतु एक स्कीम है।

(ख) और (ग) ब्यौरे अनुबंध में दिये गये हैं। [देखिये परिशिष्ट 171, अनुक्रमांक 32]

(घ) आकाशवाणी केवल वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिये चयनित कलाकारों के रिकार्ड का रख-रखाव करता है।

आकाशवाणी द्वारा समाचार एजेंसियों को धनराशि का भुगतान

2006. **मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन समाचार एजेंसियों के नाम क्या-क्या हैं जिन्हें आकाशवाणी धनराशि का भुगतान करती है;

(ख) ऐसे भुगतान किस प्रकार और किस रूप में किये जाते हैं ;

(ग) भुगतान की दर क्या है ; और

(घ) पिछले दो वर्षों के दौरान और 1994 में अभी तक पृथक रूप से कितनी-कितनी धनराशि का भुगतान किया गया है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के०पी० सिंह देव) : (क) प्रेस ट्रस्ट आफ इंडिया युनाइटेड, न्यूज आफ इंडिया और एशिया-न्यूज इंटरनेशनल।

(ख) भुगतान मासिक किस्तों में किया जाता है।

(ग) 1992-93 के लिये दरें:

(लाख रुपये में)

एजेंसी	राशि
पी०टी०आई०	210
यू०एन०आई०	177
ए०एन०आई०	0.60

(घ) भुगतान की गई राशि (बकाया राशियों सहित)।

वर्ष	पी०टी०आई०	यू०एन०आई०	ए०एन०आई०
1992	1,95,05,225	1,63,23,750	74,516
1993	2,24,94,775	1,83,25,982	70,000
1994 (जून, 94 तक)	61,19,200	51,63,200	20,000

आकाशवाणी में उर्दू कार्यक्रमों के साथ व्यवहार

2007. **मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों में उर्दू कार्यक्रमों को उचित महत्व नहीं दिया जाता ;

(ख) क्या यह भी सच है कि आकाशवाणी के उर्दू विभाग की उपेक्षा की जा रही है और उसके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि आकाशवाणी की उर्दू सेवा, जो कि देश भर में लोकप्रिय है, का विदेशियों के लिये ही प्रसारण किया जा रहा है और देशवासियों को उससे वंचित रखा जाता है ;

(घ) उसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) स्वदेशी श्रोताओं के साथ यह अन्याय कब समाप्त होगा ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के०पी० सिंह देव) : (क) और (ख) जी, नहीं।

(ग) से (ङ) जी, नहीं। इस सेवा के अलावा राष्ट्रीय चैनल के अतिरिक्त देश के

विभिन्न भागों में उपलब्ध, आकाशवाणी के 36 केन्द्रों से उर्दू में कार्यक्रम प्रस्तुत किये जा रहे हैं।

Seminar on Electronic Meria

2008. SHRI GOVINDRAO ADIK: Will the Miaister of INFORMATION ANC BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether the Film and Television Technology Institute had organised a seminar in Delhi recently on Electronic media and .national development;

(b) if so, what was the thrust of the speeches made by different personalities at the seminar; and

(c) what is Government's reaction to the points made therein?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. P. SINGH DEO): (a) No information is available with Government about any such seminar.

(b) and (c) Do not arise.

Pricing policy on electricity charges

2009. SHRI JANARDHAN -POOJARY: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) Whether Government propose to formulate a rational pricing policy of electricity charges;

(b) if so, the details thereof; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MFNISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) and (b) Tariff for sale of electricity to the different categories of consumers is determined by the State Electricity Boards (SBRs), with the approval of the State Governments concerned. The Conference of Power Ministers, held in January 1993, has adopted an Action Plan, which, *inter alisa,* proviles for periodical revision of tariff, taking into account the increased cost of generation and supply, and a minimum agricultural tariff of 50 paise/kwh.

(c) Does not arise in view of (a) and (b) above.

Privatisation of coal based Theremal Power Stations in Gujarat

2010. SHRI GOPALSINHG. SO-. LANKI: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether Government have any proposal for privatisation of the coal-based thermal power plants in Gujarat;

(b) sf so, the reasons therefor;

(c) the stage at which the proopsal is pending; and

(d) by when it is likely to be implemented?

THE MINISTER OF STATE -IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) No, Sir.

(b) to '(d) Do not arise.

Power generation in Madhya Pradesh

2011. SHRI DILIP SINGH JUDEV: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) the extent of deficit of power in Madhya Ptadesh at present and the losses, in power transmission annually as compared to other States;

(b) whether Government propose tP grant any assistance to that State to